साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 213 | जौनपुर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राजनाथ सिंह ने लखनऊ में नामांकन दाखिल किया

लखनऊ, संवाददाता। राजनाथ सिंह ने लखनऊ ने पर्चा भर दिया है। संसदीय सीट लखनऊ से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के पास वर्ष 2019 में कुल 5.14 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। पांच साल में यह बढ़कर 5.14 करोड़ रुपये हो गई है। इनमें राजनाथ सिंह के पास कुल संपत्ति 3,11,32,962 और अचल संपत्ति की कीमत 3,34,80,580 है। यह जानकारी उनके द्वारा पेश किए गए चुनावी हलफनामे से मिली। वर्ष 2019 में नामांकन दाखिल करने के दौरान राजनाथ सिंह द्वारा घोषित संपत्तियों में कुल चल संपत्ति 1. 64 करोड़ जबकि पत्नी के पास 53.03 लाख नगदी, बैक जमा, निवेश इत्यादि के दर्शाए गए थे। उन्होंने तब खुद के पास 68 हजार की नगदी संग 1.90 लाख के स्वर्ण जेवरात व 3 लाख के कीमती रत्न दर्शाए थे। सोमवार को दाखिल किए गए नामांकन में उन्होंने अपने पास 75 हजार और पत्नी के पास 45 हजार नकदी बताई है। वह शस्त्र रखने के भी शौकीन हैं और उनके पास एक 32 बोर की रिवाल्वर और एक दो नाली बंदूक भी है। राजनाथ सिंह के पास चार लाख 20 हजार का सोना और चार लाख के रत्न हैं। वहीं उनकी पत्नी के पास 52 लाख 50 हजार का सोना और नौ लाख 37 हजार 500 की चांदी (12:50 किलो) है। सिंह के खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है।

ओडिशा सरकार में बाहरियों को लाने की कोशिश की जा रही है – जे पी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को ओडिशा के लोगों को सरकार में 'बाहरियों' को लाने के प्रयास को लेकर आगाह किया तथा उनसे बीजू जनता दल के 24 साल के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया। नड्डा ने यहां अंबापुआ में एक चुनावी रैली में विकास का सूत्रपात करने के लिए बीजद सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में राजनीति की संस्कृति, प्रकृति एवं परिबदल दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 10 साल में केंद्र में अपने शासनकाल के दौरान सभी मोर्चों पर एवं हर तरह से समृद्धि सुनिश्चित की। नड्डा ने कहा, ''लेकिन बीजद ओडिशा में बाहरी नेताओं को लाने की कोशिश कर रहा है जो राज्य के लिए चिंता का विषय है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजद सरकार में चारों तरफ भ्रष्टाचार एवं 'बाबू राज' है। नड्डा ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी वी के पांडियन की परोक्ष रूप से चर्चा करते हुए कहा, ''क्या ओडिशा में सरकार चलाने के लिए भूमिपुत्र नहीं है कि हमें अन्य राज्यों से लोगों को आयात करना पड़े। पांडियन तमिलनाडु से हैं।

चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में लोहिया संस्थान लखनऊ का एक महत्वपूर्ण कदम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। माइक्रोस्कोप पैथोलॉजिस्ट का आला यानी की स्टेथोस्कोप होता है।.....

केंद्र निदेशक प्रो0 (डा0) सी0एम0सिंह के कर कमलों द्वारा पैथोलाजी विभाग में 22–हेडर माइक्रोस्कोप का उद्घाटन कर नवीन एवं ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर संस्थान के डीन प्रो0 प्रद्युमन सिंह, एक्जीक्यूटिव रजिस्ट्रार, प्रो0 ज्योत्सना अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0 अजय कुमार सिंह, संस्थान की वित्त नियत्रक श्रीमती रागिनी सिंह एंव प्रो0 नुजहत हुसैन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, छात्र एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। प्रो0 (डा0) सी0एम0सिंह,निदेशक ने विभाग को इस उपलब्धी हेतु बधाई दी। 22–हेडर माइक्रोस्कोप की सुविधा उत्तर प्रदेश में ही नहीं वरन पूरे भारत में पहली बार स्थापित की गई है। इसकी लागत लगभग रु 50 लाख है। 22–हेडर माइक्रोस्कोप की क्रय प्रक्रिया वित्तीय वर्ष 2023 में हुई थी, जिसका स्थापन हाल ही मे हुई। 22–हेडर माइक्रोस्कोप में एक बार में 22 व्यक्ति एक साथ माइक्रोस्कोपी मूल्याकंन कर सकते है। साथ ही इसे कई स्क्रीनो से भी जुड़ा है एंव इसमें आनलाइन टेली कॉन्फ्रेसिंग के द्वारा शिक्षण रिकॉर्डिंग की भी सुविधा उपलब्ध है। इस 22–हेडर माइक्रोस्कोप में एचडीएमआई मल्टी आउटपुट फोटोग्राफिक कैमरा यझ (झ5ङच) के साथ–साथ हाई एंड ऑप्टिक्स है। पैथोलॉजी विभाग में इस सुविधा का उपयोग फैकल्टी सदस्यों के द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण हेतु नियमित कार्यशालाए एंव लाइव माइक्रोस्कोपी सेशन आयोजित करने में किया जायेगा । डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का पैथालॉजी विभाग राज्य ही नही वरन देश के सबसे उच्च स्तरीय पैथोलॉजी विभागो में से एक है जिसमें विश्व स्तरीय जाँचें की जा रही है। यह विभाग पूरे प्रदेश का एक मात्र स्टेट रेफरल सेन्टर है।

यह कथन तब चरितार्थ हुआ जब गौरव के अभूतपूर्व क्षणों में आज दिनांक: 29 अप्रैल 2024 को संस्थान

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जल्द ही बन जाएगा – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह पीछे से हमला करने में विश्वास नहीं करते और उन्होंने सबसे पहले पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी शिविर पर हवाई हमले के बारे में पाकिस्तानी अधिकारियों को सूचित किया था। सोमवार को कर्नाटक के बागलकोट में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तानी अधिकारियों को इसके बारे में सूचित करने के बाद ही बलों से मीडिया को फोन करने और उन्हें हवाई हमले के बारे में सूचित करने के लिए कहा था। लेकिन उन्होंने मेरा फोन नहीं उठाया, इसलिए मैंने बलों को

इंतजार करने के लिए कहा। मैंने फोन उठाने के बाद ही हवाई हमले के बारे में सभी को सूचित किया और मैंने उन्हें सूचित किया। मोदी चीजों को छिपाने में विश्वास नहीं करते हैं और न ही पीछे से हमला करते हैं, वह खुलकर लड़ते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जो लोग चुनाव हार गए थे और सोच रहे थे कि वे हार सकते हैं, वे फर्जी वीडियो बनाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आरक्षण, संविधान और जाति के नाम पर लोगों को बाँट रही कांग्रेस – अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर आरक्षण, संविधान और जाति के नाम पर लोगों को बाँटने का काम करने की बात कही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी है वहां उनकी सारी गारंटियां बुरी तरह से फेल हो चुकी हैं। कांग्रेस आज मुद्दा विहीन है इसीलिए लोगों में आरक्षण, संविधान और जाति के नाम पर भय और भ्रम फैला रही है। कांग्रेस से ज्यादा शायद ही किसी ने एससी, एसटी और ओबीसी का हक मारा होगा। जहां–जहां कांग्रेस की सरकार आती है वहां हमारे एससी, एसटी और ओबीसी भाइयों बहनों का हक छीनकर कांग्रेस एक विशेष समुदाय को दे देती है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना इसके उदाहरण हैं। भाजपा राज में एसटी, एससी और ओबीसी का आरक्षण

निर्विरोध बरकरार था, है और रहेगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश ने 3 दशकों तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली अस्थिर सरकार का दंश झेला है जिसमें भ्रष्टाचार, परिवारवाद और वोट बैंक पॉलिटिक्स चरम पर था। आज देश में कोई नहीं चाहता कि वह दौर वापस आए। सभी को मोदी जी के पिछले 10 वर्षों में हुए विकास की पहचान है और इसीलिए आज पूरे देश के लोग भाजपा और एनडीए के पीछे लामबंद हैं।

बिहार में जाति की राजनीति खत्म करने के लिए मोदी सरकार जरूरी - अमित शाह

बिहार, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह बिहार में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। झंझारपुर में जनसभा को करते हुए उन्होंने सीता माता की धरती से श्रीराम के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि हमारे कर्पूरी ठाकुर जी यहीं से (फुलपरास विधानसभा) विधायक बनकर जाते थे। इतने वर्षों तक कांग्रेस एंड कंपनी ने कर्पूरी ठाकुर जी का सम्मान नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न देकर बिहार के समस्त पिछड़े समाज को सम्मानित किया। शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर जी ने गरीब के घर से आकर बिहार के गरीब, दलित और पिछड़ों की आवाज बुलंद की और श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी गरीब चाय बेचने वाले के घर में जन्म लेकर पूरे देश भी में गरीबों के कल्याण का यज्ञ शुरू किया। मोदी जी, देशभर के

गरीब, पिछड़े, आदिवासी, दलित, वंचित के कल्याण के लिए काम करने वाले नेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मतलब है– बिहार से जातिवाद को समाप्त कर देना। देश से और बिहार से भ्रष्टाचार को समाप्त कर देना। अमित शाह ने कहा कि अगर इंडी अलायंस की सरकार आएगी तो ये लोग प्रधानमंत्री पद को बांट लेंगे। एक साल शरद पवार जी प्रधानमंत्री होंगे, एक साल लालू जी प्रधानमंत्री होंगे, एक साल ममता जी प्रधानमंत्री होंगी, एक साल स्टालिन जी प्रधानमंत्री होंगे। और कुछ बचा कुचा होगा तो राहुल बाबा प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी कहते हैं कि राजस्थान और बिहार का कश्मीर से क्या लेना–देना है। अरे खड़गे साहब, कश्मीर के लिए बिहार का बच्चा–बच्चा अपनी जान देने के लिए तैयार है। भाजपा नेता ने कहा कि मोदी जी का नेतृत्व ही देश को कोरोना से बचा सकता है, आतंकवाद से बचा सकता है और कश्मीर में शासन और सुशासन स्थापित कर सकता है।

बीजेपी सरकार में महंगाई ऐसा मुद्दा है जो गरीबों को चिंतित करता है - खरगें

कर्नाटक, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गांधी परिवार को गाली दे रहे हैं क्योंकि उनके

पास श्रेय लेने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। यादगिर जिले के गुर्मत्कल कस्बे में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खरगे ने दावा किया कि शुरुआती दो चरणों के चुनाव में कांग्रेस को बढ़त मिली है जिससे मोदी चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि इस देश में मोदी के जन्म से पहले और बाद में क्या था, लेकिन वह अभी तक जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लालबहादुर शास्त्री, राजीव गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मुझे गाली देते हैं क्योंकि उनके पास श्रेय के लिए कुछ भी नहीं है।'' कांग्रेस के 81 वर्षीय नेता ने कहा, ''मोदी हताशा में कहते हैं कि कांग्रेस हर किसी की संपत्ति छीनकर उसे मुसलमानों के बीच बांट देगी। यह न तो संविधान में लिखा है और न ही हमारे घोषणापत्र में इसका कहीं उल्लेख है।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने केवल यह कहा है कि वह गरीबों को उनका वाजिब हक देगी लेकिन ''कभी भी हिंदू–मुस्लिम के बारे में बात नहीं की।'' खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान भूमि सुधार, बैंकों के राष्ट्रीयकरण और जीवन बीमा निगम के माध्यम से ऐसा किया था। यह गरीबों के लिए किया गया था। उन्होंने सवाल किया, ''पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान) मनरेगा लेकर आईं। मोदी ने ऐसा कुछ किया? खरगे ने कहा कि कांग्रेस खाद्य सुरक्षा अधिनियम लेकर आई और गरीबों को हर महीने 35 किलोग्राम अनाज दिया, लेकिन मोदी ने कोविड–19 महामारी के दौरान पांच किलोग्राम अतिरिक्त अनाज दिया और शेखी बघार रहे हैं कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को अनाज दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आप (मोदी) दे रहे हैं क्योंकि हम कानून लेकर आए हैं जिसे कोई छीन नहीं सकता।

डिप्रेशन में हैं बीजेपी के लोग, फ्लॉप हो चुकी है 400 की फिल्म – तेजस्वी यादव

बिहार, एजेंसी। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भाजपा के लोग अवसाद में हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य वाले भाजपा के नारे का संदर्भ देते हुए टिप्पणी की कि फिल्म भी फ्लॉप हो गई है। तेजस्वी यादव ने कहा, 400 की फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। बीजेपी के लोग डिप्रेशन में हैं। पूरे देश ने अपना मूड बना लिया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। भले ही वह (पीएम मोदी) आएं और जाएं। इसका बिहार में कोई प्रभाव नहीं है। वह आ सकते हैं, धोखा दे सकते हैं, जहरीली बयानबाजी कर सकते हैं और फिर अगले पांच साल के लिए गायब हो सकते हैं। राजद नेता ने बिहार के पूर्व सीएम और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी पर भी उनके उस बयान पर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने कहा

था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो वह देश को पाकिस्तान के रूप में विभाजित करने का काम करेगी। तेजस्वी ने हमला बोलते हुए कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि वह कितनी जल्दी आरएसएस की भाषा बोलने लगे हैं। तेजस्वी ने कहा, वो भी उसी के रंग में हो गए। मेरी उनके लिए शुभकामनाएं हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि वह कितनी जल्दी आरएसएस के रंग में रंग गए।

यूसीसी लागू होने से हिंदुओं को किसी भी तरह फायदा नहीं होगा – सीएम ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को एक राजनीतिक चाल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे हिंदुओं को कोई फायदा नहीं होगा। मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल जांगीपुर निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव के शुरुआती चरणों में प्रत्याशित हार के मद्देनजर विभाजनकारी रणनीति का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब भी चुनाव होते हैं, वे सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए किसी न किसी मुद्दे का इस्तेमाल करते हैं। इस बार वे यूसीसी के बारे में बात कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं कि यह एक विशेष समुदाय के खिलाफ है।

लेकिन यह यूसीसी राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है और इससे हिंदुओं को किसी भी तरह से फायदा नहीं होगा।" बनर्जी ने देश भर में बढ़ती भाजपा विरोधी भावना पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से पहले दो चरणों के मतदान के बाद स्पष्ट हुई। उन्होंने कहा, पहले दो चरणों में मतदान के पैटर्न और प्रतिशत को देखने के बाद, हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि भाजपा हार गई है। शेष पांच चरणों में भी, उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। भाजपा में भय और घबराहट व्याप्त हो गई है।" उन्होंने मतदाताओं को कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थन करने के खिलाफ चेतावनी दी और उन्हें बंगाल में भाजपा का एजेंट करार दिया। बनर्जी ने कहा, " पश्चिम बंगाल में माकपा और कांग्रेस भाजपा की दो आंखें हैं।

मुफ्त अनाज योजना से गुमराह न हो गरीब जनता, जनता के पैसे से दिया जाता है अनाज - मायावती

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना को छलावा बताते हुए कहा कि जनता इससे प्रभावित न हो क्योंकि यह अनाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जेब से नहीं बल्कि खुद गरीब जनता की गाढ़ी कमाई से दिया जा रहा है। मायावती ने यहां एक चुनावी जनसभा में जनता को विरोधी पार्टियों के खोखले वादों से आगाह करते हुए भाजपा पर कांग्रेस की ही तरह जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। बसपा प्रमुख ने केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वे (भाजपा नेता) लोगों से कहते हैं कि भाजपा और मोदी ने उन्हें मुफ्त राशन दिया है और उन्हें भाजपा

को वोट देकर यह कर्ज चुकाना चाहिए, मगर लोगों को इससे गुमराह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो मुफ्त राशन दिया जा रहा है वह मोदी जी या भाजपा की जेब से नहीं आ रहा है, बल्कि यह कर के रूप में दिये गये आपके ही पैसे से दिया जा रहा है। मायावती ने कहा कि लोगों को यह सोचने की जरूरत नहीं है कि यह कोई कर्ज है जिसे चुकाना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि गरीब लोगों की जटिल समस्या केवल हर हाथ को काम देने से ही खत्म होगी। अगर सरकार बनाने का मौका मिला तो उनकी पार्टी इस पर ध्यान देगी। बसपा अध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ज्यादातर देखा गया है कि जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां सपा अपने परिवार के किसी व्यक्ति को टिकट देती है और जहां हिंदू संख्या में अधिक हैं, वहां मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा करती है। यह समाजवादी पार्टी का चरित्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी वाले बदायूं के मामले में सपा ने अपने परिवार के ही सदस्य (आदित्य यादव) को उम्मीदवार बनाया है।

संपादकीय

प्रोटोकॉल को छोड़कर

लोकसभा चुनाव के लिए महीने भर चले हाई–वोल्टेज अभियान के बावजूद, पारंपरिक रूप से उच्च मतदान प्रतिशत के लिए जाने जाने वाले राज्य केरल में पिछली बार की तुलना में मतदान लगभग 6% कम हो गया। पार्टियाँ और पंडित इस गिरावट के संभावित कारणों और परिणामों का अनुमान लगाने में लगे हुए हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, सबसे अधिक चिंतित दिखाई देता है क्योंकि उसकी लगभग सभी बड़ी जीतें उच्च मतदान वाले चुनावों में थीं, जिसमें 2019 भी शामिल है, जब उसने 20 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की थी। कम मतदान के लिए कई कारण बताए गए हैं जैसे गर्मी की लहर, राजनीतिक लहरों की अनुपस्थिति, मतदान प्रक्रियाओं में देरी, मतदाताओं की संख्या में वृद्धि, शहरी मतदाताओं की उदासीनता, प्रवासन, छुट्टियां, मुसलमानों का शुक्रवार को मस्जिदों में जाना आदि। केरल में लोकसभा चुनाव तीनों राष्ट्रीय पार्टियों – भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के लिए इतना महत्वपूर्ण कभी नहीं रहा। जहां भाजपा अपनी अंतिम दुर्गम सीमा को तोड़ने पर आमादा है, वहीं राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस, जिसने एक बार फिर वायनाड से चुनाव लड़ा, उस गढ़ की रक्षा करने के लिए उत्सुक है, जिसने 2019 में उसे सबसे बड़ी सीटें दीं। सीपीआई (एम) के लिए), अपने आखिरी किले में पिछले चुनाव में अपने दयनीय प्रदर्शन से उबरना एक अस्तित्वगत अनिवार्यता है। कम मतदान के बावजूद मतदान के दिन ड्रामे में कोई कमी नहीं आई। 26 अप्रैल की गर्म और उमस भरी सुबह कन्नूर के अरोली में गांव के स्कूल के बूथ पर मतदान शुरू हुआ। मीडिया का एक बड़ा दल बूथ के प्रमुख मतदाता ई.पी. का इंतजार कर रहा था। जयराजन, सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के राज्य संयोजक और सीपीआई (एम) केंद्रीय समिति के सदस्य हैं। भाजपा की राज्य उपाध्यक्ष और अलप्पुझा से लोकसभा उम्मीदवार सोभा सुरेंद्रन द्वारा 25 अप्रैल को राजनीतिक बम फेंकने के बाद मार्क्सवादी दिग्गज चर्चा में थे। उन्होंने दावा किया कि जयराजन भाजपा में शामिल होने के बारे में अपने नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे। जब जयराजन वोट देने पहुंचे तो प्रतिक्रिया के लिए मीडियाकर्मी उनके आसपास जमा हो गए। अपने लापरवाह स्वभाव के लिए जाने जाने वाले जयराजन ने कहा कि पिछले साल उनकी पोती के जन्मदिन पर, भाजपा नेता और केरल के प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर, टी.जी. के साथ बिना किसी सूचना के तिरुवनंतपुरम में उनके बेटे के अपार्टमेंट में आए थे। नंदकुमार, एक स्वयंभू राजनीतिक बिचौलिया। हालाँकि, जयराजन ने यह भी कहा कि उन्होंने भाजपा नेता के साथ कभी भी राजनीति पर चर्चा नहीं की और बैठक केवल पाँच मिनट तक चली। कुछ मिनट बाद, कुछ दूरी पर, धर्मदाम, कन्नूर में, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, अपने परिवार के साथ, अपने घर से स्थानीय मतदान केंद्र की ओर पैदल जा रहे थे। जब मीडिया ने जयराजन के रहस्योद्घाटन पर प्रतिक्रिया के लिए उनसे संपर्क किया, तो विजयन ने सीपीआई (एम) के सामान्य संगठनात्मक प्रोटोकॉल को छोड़कर, सार्वजनिक रूप से अपने करीबी कॉमरेड की निंदा की। उन्होंने कहा कि जयराजन अक्सर दोस्त चुनने के मामले में विवेकशील नहीं रहे हैं। असामान्य रूप से, विजयन ने एक कहावत का भी हवाला दियारू ष्पापियों की संगति में भगवान शिव भी पापी बन जाते हैं।ष जावड़ेकर से अधिक, मुख्यमंत्री ने नंदकुमार पर निशाना साधा, जो भाजपा नेता के साथ थे और जयराजन के साथ मित्रवत थे। कुछ दिन पहले नंदकुमार ने पथानामथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार और कांग्रेस नेता ए.के. के बेटे अनिल एंटनी पर आरोप लगाया था. जब एंटनी सीनियर केंद्रीय रक्षा मंत्री थे, तब एंटनी ने एक नियुक्ति के लिए उनसे 25 लाख रुपये लिए थे। नंदकुमार ने शोभा सुरेंद्रन पर उनसे 10 लाख रुपये लेने का भी आरोप लगाया। दोनों राजनेताओं ने आरोपों को निराधार बताया। हालाँकि, विजयन ने कहा कि सीपीआई (एम)–भाजपा सौदे के आरोप केवल कांग्रेस–भाजपा प्रचार थे और जयराजन को बदनाम किया जा रहा था। "अन्य दलों के नेताओं से मिलने में क्या गलत है? मैं कुछ सार्वजनिक समारोहों में जावड़ेकर से भी मिल चुका हूं। सीपीआई (एम) के महासचिव, सीताराम येचुरी ने कहा कि उनके पास राज्य नेतृत्व की प्रतिक्रिया में जोड़ने के लिए कुछ भी नहीं है। जावड़ेकर ने स्वीकार किया कि उन्होंने जयराजन समेत विभिन्न दलों के कई नेताओं से मुलाकात की है. शोभा सुरेंद्रन ने कहा कि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख के. सुधाकरन सहित कई कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा के साथ बातचीत की। जयराजन ने कथित तौर पर बाद में स्वीकार किया कि उन्हें देर से एहसास हुआ कि नंदकुमार एक ष्धोखाधड़ीष थे, उन्होंने कहा कि मीडिया के समर्थन से उनके खिलाफ साजिश रची जा रही थी। जयराजन–जावड़ेकर की बैठक चुनाव के दिन मीडिया पर हावी रही और यूडीएफ को एलडीएफ और भाजपा के बीच गुप्त सौदों के आरोपों को मजबूत करने के लिए गोला–बारूद प्रदान किया गया। जयराजन के भाजपा नेताओं के साथ कथित संबंध पहले भी खबरों में थे जब उन्होंने केरल में कुछ भाजपा उम्मीदवारों की प्रशंसा की थी। यूडीएफ ने बताया कि कन्नूर में सीपीआई (एम) नेता जिस वैदिकम आयुर्वेदिक रिसॉर्ट से जुड़े थे, वह निरामाया वेलनेस रिट्रीट्स द्वारा चलाया जाता था, जो तिरुवनंतपुरम में भाजपा के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री द्वारा स्थापित बेंगलुरु स्थित ज्यूपिटर कैपिटल से जुड़ा हुआ है। राजीव चन्द्रशेखर. विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने आरोप लगाया कि जयराजन भाजपा के साथ अपने सौदों में पिनाराई विजयन के दूत थे। सीपीआई (एम) संभवतः जयर के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी।

स्वचालित ध्वनि संदेशों के विरुद्ध मामला

आदित्य

स्वचालित ध्वनि संदेशों की बाढ़ नवीनतम खतरा है जिसका हम सभी सामना कर रहे हैं। 713XXसे शुरू होने वाले नंबरों की श्रृंखला का उपयोग केवल सुबह सहित दिन के किसी भी समय आपको ध्वनि–रिकॉर्ड किए गए संदेश भेजने के लिए किया जाता है। आप नंबरों को ब्लॉक करना जारी रख सकते हैं, लेकिन वे अलग नंबर के साथ वापस आते रहेंगे। ये संदेश क्या कहते हैं? जो मुझे अक्सर मिलता है वह कहता है कि वे गृह मंत्रालय से हैं और स्वच्छता सर्वेक्षण या स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए बुला रहे हैं। यदि मैं उन्हें उत्तर दे पाता, तो मैं उन्हें बताता कि कैसे वे मेरे मन की शांति को खराब करते हैं और क्रोध उत्पन्न करते हैं, जिससे मेरी मानसिक ऊर्जा अशुद्ध हो जाती है। फिर क्रेडिट कार्ड ऑफर, ऋण ऑफर और बीमा विक्रेता हैं। सबसे बुरे लोग वे कॉल करने वाले होते हैं जो यादृच्छिक नंबर डायल करते हैं और फिर जानना चाहते हैं कि आप कौन हैं। कई लोग ऐसा दिखावा करने की युक्ति अपनाते हैं कि आप कोई पुराना मित्र भूल गए हैं। जब तक आप असली मकसद का पता नहीं लगा लेते, उन्हें आपके फोन तक कुछ सेकंड का कीमती समय मिल जाता है। व्यावसायिक दृष्टिकोण से, मुझे नहीं लगता कि इन स्वचालित कॉलों के माध्यम से कोई रूपांतरण हो रहा है। वास्तव में, वे ब्रांड के खिलाफ काम कर सकते हैं और संभावित ग्राहकों को नाराज कर सकते हैं। शीर्ष ब्रांड की याद उस सरासर उपद्रव की है जो वे मेरे दिन में जोड़ते हैं। भले ही मैं आपके द्वारा बेचे जा रहे किसी उत्पाद या सेवा की तलाश में हूं, मैं उस ब्रांड से दूर रहूंगा जिसने मुझे पहले ही काफी परेशान कर दिया है। आप मेरे लिए उत्पादकता हत्यारा रहे हैं, मेरी बहुमूल्य नींद या मेरी बातचीत के प्रवाह को बाधित कर दिया है, और एक रचनात्मक विचार प्रक्रिया को तोड़ दिया है। यदि मार्केटिंग कॉल एक उपद्रव है, तो धोखेबाज इसे दूसरे स्तर पर ले जाते हैं। हाल ही में, मुझे बेंगलुरु स्थित लैंडलाइन से कॉल आ रही हैं कि मेरे आधार नंबर से जुड़े सभी मोबाइल फोन अगले दो घंटों में काट दिए जाएंगे, अगर मैं कॉलर के कहे अनुसार काम नहीं करूंगा। पूरा संदेश बोलने से पहले ही मैं डिस्कनेक्ट कर देता हूं। लेकिन मुझे याद है कि जब मैंने इसे पहली बार प्राप्त किया था तो मैं डर गया था कि हम मोबाइल फोन के बिना क्या करेंगे। यह स्पष्ट रूप से एक घोटाला है, क्योंकि मेरा फोन अभी भी काम कर रहा है। एक और दिन, मुझे भी ऐसी ही धमकी मिली कि अगर मैंने तुरंत अपना केवाईसी नहीं कराया तो मेरा क्रेडिट कार्ड बंद कर दिया जाएगा। हो सकता है कि मैं इसके झांसे में आ गया हूं, लेकिन इस तथ्य के कारण कि मेरे पास उनके द्वारा बताए गए बैंक का कोई क्रेडिट कार्ड नहीं था। मुझे व्हाट्सएप पर बिल्कुल अजनबियों से असंख्य नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं जो एक पुराने खोए हुए दोस्त की तरह हैलो कहने से शुरू होते हैं। डू नॉट कॉल रजिस्ट्री सैद्धांतिक रूप से मौजूद है, लेकिन व्यवहार में इसका कोई मतलब नहीं है। मैं भूल गया हूं कि मैंने अपने मोबाइल सेवा प्रदाता के पास कितनी बार अनुरोध पंजीकृत किया हैय लेकिन अभी तक मुझे कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है। क्या अब इसे सख्ती से लागू करने का समय नहीं आ गया है? मुझे यकीन है कि साइबर अपराध अधिकारी कम संख्या में मामलों को संभाल सकते हैं। मेरे अंदर का बनिया सोचता है कि टेलीकॉम ऑपरेटरों और सरकार के लिए स्वचालित संदेशों के इर्द–गिर्द एक राजस्व मॉडल बनाने का यह एक शानदार अवसर है। आज की स्थिति के अनुसार, इन संदेशों की कीमत प्रेषकों के लिए लगभग कुछ भी नहीं है, जबकि हो सकता है कि वे सेवा प्रदाताओं या मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के सिस्टम पर अत्यधिक भार डाल रहे हों। प्रेषक द्वारा लागत में कटौती करने से विपणन टीमें विवेकपूर्ण ढंग से सोचने पर मजबूर हो जाएंगी। आज, जब वे बड़े पैमाने पर मेरे इनबॉक्स में भर रहे हैं, तो इसकी लागत मुझे खोई हुई उत्पादकता और झुंझलाहट के रूप में वहन करनी पड़ती है। वे बस औने–पौने दाम पर उपलब्ध डेटाबेस खरीदते हैं, जो एक अन्य क्षेत्र है जिसे सख्त विनियमन की आवश्यकता है। यदि बड़े पैमाने पर संदेश भेजने से प्रेषक को काफी लागत आती है, तो वे कम से कम ग्राहक विभाजन पर काम करेंगे और इसे केवल उन लोगों को भेजेंगे जिनके परिवर्तित होने की सबसे अधिक संभावना है। इससे बचने का दूसरा तरीका यह हो सकता है कि सामग्री निर्माताओं के लिए विज्ञापन किस तरह काम करता है। विज्ञापनदाताओं को लोगों को उनके संदेश सुनने के लिए भुगतान करने दें।

यूपीआई और ई–वॉलेट इसे आसानी से सक्षम कर सकते हैं। मेरा दृढ़ता से मानना है कि सरकार को स्वचालित वॉयस मैसेजिंग को मौसम की चेतावनी, सेवाओं में व्यवधान या संभावित खतरों जैसी आपातकालीन घोषणाओं तक ही सीमित रखना चाहिए, जिनके बारे में नागरिकों को पता होना चाहिए। अभी, भले ही वे अलर्ट भेजना चाहें, मैं शायद कोई अनजान नंबर नहीं उठाऊंगा। हां, आपातकालीन संदेशों को संप्रेषित करने के लिए उनके पास विशेष नंबर हो सकते हैं, लेकिन उन्हें घोटालेबाजों से आगे सोचना होगा जो उनका प्रतिरूपण करने का तरीका ढूंढ लेंगे। कम से कम, एक अनिवार्य अस्वीकरण हो सकता है कि यह एक विज्ञापन है, मान लीजिए, म्यूचुअल फंड विज्ञापनों पर। क्या कोई ऑडियो मार्कर हो सकता है जो हमें बताए कि यह संदेश अधिकारियों या विज्ञापनदाताओं का है जो हमें चुनने या न चुनने का निर्णय लेने में मदद कर सकता है? कॉलर की पहचान ने कुछ समय तक काम किया, लेकिन बहुत से लोग सीमित विश्वसनीयता वाले डेटा के लिए भुगतान करने को तैयार नहीं हैं। दूरसंचार प्रदाताओं के लिए, केवाईसी यह पता लगाने की कुंजी है कि ये संदेश कई नंबरों से कौन भेज रहा है। यदि किसी नंबर के लिए बहुत अधिक ब्लॉक अनुरोध हैं, तो कंपनियों को क्रेडेंशियल्स की दोबारा जांच करनी चाहिए। अधिक संख्या में ब्लॉक के लिए, किसी प्रकार की धोखाधड़ी की चेतावनी शुरू की जानी चाहिए। सक्रिय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए साइबर पुलिस और दूरसंचार ऑपरेटरों को एक टीम के रूप में काम करने की आवश्यकता है। जब तक हम अपने फोन तक अनुचित पहुंच को प्रतिबंधित नहीं करते, हम अपनी बहुमूल्य उत्पादकता खोने के अलावा घोटालों और धोखाधड़ी की खान पर बैठे हैं। जितनी अधिक शक्ति हम सौंपेंगे।

फिलिस्तीन, और दो लोकतंत्रों की कहानी

विनोद

यह देखना दिलचस्प है कि कैसे कामकाजी लोकतंत्र अपने नागरिकों के लोकतांत्रिक व्यवहार से पूरी तरह घृणा करते हैं। आपको अभी संयुक्त राज्य अमेरिका और छात्र विरोध प्रदर्शनों के उपचार से आगे जाने की आवश्यकता नहीं है। अमेरिका के सबसे उदार कॉलेजों – अंतिम गिनती में 21 – ने अपने छात्रों को चुप कराने के लिए हर तरह की कोशिश की है – शैक्षणिक, प्रवेश–संबंधी, कर्फ्यू और सीमाएं और अब क्रूर कानून प्रवर्तन। अजीब बात है कि छात्र विरोध करना जारी रखते हैं क्योंकि उनका मानना है कि वे लोकतंत्र में रहते हैं और विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है। वे फिलिस्तीन को आजाद कराने और नरसंहार को खत्म करने के लिए चिल्लाते हैं। ये दोनों भावनाएँ लोकतंत्र की शक्तियों को परेशान करती हैं। शायद हमें थोड़ा पीछे हटना चाहिए? हार्वर्ड से कोलंबिया, बरनार्ड, येल, एनवाईयू, मिशिगन, स्टैनफोर्ड, टेक्सास से लेकर दक्षिणी कैलिफोर्निया तक के कॉलेज अधिकारी एक भयानक बंधन में फंस गए हैं। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति से यह स्वीकारोक्ति हुई कि यूरोप के यहूदियों के साथ हजारों वर्षों से क्रूर, क्रूर, अचेतन और घृणित व्यवहार किया गया था। नरसंहार ने दुनिया को शपथ दिलाई कि यहूदी विरोधी भावना अस्वीकार्य है। जैसा है, वैसा है। लेकिन 1948 में इजराइल के गठन के साथ, मानवीय करुणा के दूध को एक असंभव विकल्प में मजबूर किया गया – यहूदियों के अधिकारों पर फिलिस्तीनियों के अधिकारों का बलिदान, और विशेष रूप से इजरायली जायोनी यहूदियों के अधिकारों का बलिदान। और इसके साथ ही, मानवीय करुणा कलंकित और प्रभाव में अर्थहीन है। यह पहली बार नहीं है कि इस पसंद का जहर उजागर हुआ है और यह आखिरी भी नहीं होगा। लेकिन लोकतंत्र के बारे में दुनिया की धारणाओं पर प्रभाव विनाशकारी हैं। या क्या यह आपके लिए बहुत सशक्त शब्द है? एक संप्रभु लोकतंत्र जिसने बाकी दुनिया के लिए पालन करने के लिए एक लोकतांत्रिक मानक स्थापित किया है – भले ही वह विरोधाभासों, युद्धों, अन्याय और क्रूरता से भरा हो – खुद को अपने ही नागरिकों, अपने बच्चों पर हमला करने, अन्याय के खिलाफ विरोध करने के लिए मजबूर पाता है क्योंकि संप्रभु लोकतंत्र को मजबूर किया जाता है किसी अन्य संप्रभु देश के लोगों को नष्ट करने के अधिकारों की रक्षा करने के साथ–साथ उसकी पहचान के बारे में अन्य संप्रभु राष्ट्र की नाजुक भावनाओं की रक्षा करने की मिसाल, ऐसे लोकतंत्र में हर दोष–रेखा को उजागर करती है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों के ये छात्र ऐसी कौन सी मांग कर रहे हैं जो इतनी भयानक है कि उन्हें रोका जाए, रबर की गोलियों से मारा जाए और शिक्षा से वंचित किया जाए? आइए देखें कि क्या यह रोंगटे खड़े कर देने वाली क्रूर घटना है, जिसे किसी भी सरकार, लोकतांत्रिक या अन्य, को तत्काल समाप्त करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जैसे हजारों लोगों की क्रूर हत्या की मांग करना, विशेष रूप से अस्पतालों में बच्चों और मरीजों पर जोर देना... लेकिन क्या अजीब छात्र हैं ऐसा प्रतीत होता है कि वे शांति चाहते हैं, गाजा में युद्धविराम, अपनी मातृभूमि के भीतर फिलिस्तीनी लोगों के रंगभेद का अंत, जिसे पश्चिमी शक्तियों ने इजरायल के नए राज्य को सौंप दिया था, और अमेरिकी सरकार फिलिस्तीनी क्षेत्रों में नरसंहार को वित्त पोषित करना बंद कर दे। यदि यह इजराइल के अलावा किसी अन्य देश के खिलाफ होता, तो यह संभावना नहीं है कि छात्रों को कॉलेज अधिकारियों से बहुत अधिक प्रतिक्रिया मिलती, राज्य प्रशासन के कानून और व्यवस्था के हथियारों की तो बात ही छोड़ दें। तो फिर लोकतंत्र क्या है जैसा अमेरिका इसे समझता है, जैसा हम इसे समझते हैं, जैसा दुनिया इसे समझती है? ऐसा प्रतीत होता है कि 2000 के दशक में लोकतंत्र का मतलब वही होता था जो उस समय की सरकार सोचती थी। यह ब्रेक्सिट की तरह एक अनौपचारिक सर्वेक्षण में बहुमत का नियम हो सकता है। या यह डोनाल्ड ट्रम्प और उनके समर्थकों की तरह मुझे विश्वास नहीं है कि मैं हार गया, भले ही मैं हार गया हो सकता है। या यह हो सकता है क्योंकि मैं निर्वाचित हुआ हूं इसलिए मैं जो चाहूं वह कर सकता हूं, जैसे तुर्की और भारत में, रेसेप एर्दोगन और नरेंद्र मोदी के साथ। जैसा कि हम देखते हैं, वे सभी चीजें। और वे कुछ चीजें नहीं हैं जिनके लिए मनुष्य लोकतंत्र को चुनते हैं – राजशाही शासन से मुक्ति, और नियम बनाने और राज्य चलाने के लिए लोगों को चुनने की क्षमता जो आपको कुचल नहीं देगी या रबर–बुलेट या नष्ट नहीं करेगी। और शायद यह कुछ दशकों तक काम करता रहा। लेकिन सत्ता जितनी अधिक आकर्षक होती गई, लोकतंत्र की धारणाएं उतनी ही अधिक विकृत होती गईं। और इसलिए, दुनिया के अनुकरणीय लोकतंत्र में हम लोकतंत्र को लोकतंत्र के समर्थकों द्वारा खतरे में देखते हैं। क्या छात्र जीतेंगे? यह 1960 और 70 के दशक और वियतनाम युद्ध के विरोध से एक अलग दुनिया है। और यह नव–लिब–कॉन दुनिया से एक अलग दुनिया है जहां युवा लोग बहुत पहले ही सिस्टम का हिस्सा बन गए, सभी के लिए बहुत सारे पैसे के भ्रम में हमेशा के लिए समाहित और संरक्षित हो गए। 2008 के पतन ने पश्चिमी दुनिया की चिंता दूर कर दी। भारत में हमारे लिए, नकली ऐतिहासिक महानता के भ्रम ने हमें पिछले 10 वर्षों से सीमित कर दिया है, जहां लोकतंत्र का टूटा हुआ खोल कागज में छिपा हुआ है, जो हमसे उसकी फटी हुई स्थिति को छिपा रहा है। हमारे पास अपने लिए प्रभावी ढंग से विरोध करने की सहनशक्ति नहीं है, अन्य भूमि के लोगों को तो भूल ही जाइए। हम इस चुनाव के मौसम को भीषण गर्मी, फीकेपन और किसी की बात पर विश्वास करने में असमर्थ होते हुए देखते हैं। हमें यह जानने की भी सुविधा नहीं है।

असली अन्ना ओ की खोज

संजय

बर्था पप्पेनहाइम ने खाना और सोना बंद कर दिया। उसने अपनी भाषा और चलने–फिरने की क्षमता खो दी। उसकी आँखें मुड़ गईं और उसकी मांसपेशियाँ अकड़ गईं। उसके डॉक्टरों ने कहा, वह फिन डे सिएकल वियना में मुख्य रूप से अच्छी तरह से काम करने वाली महिलाओं को पीड़ित प्रचलित निदान से पीड़ित थीरू हिस्टीरिया। इसका क्या मतलब था और यह बहस का एक स्रोत हैरू क्या उसके चेहरे का पक्षाघात एक जैविक स्थिति से उत्पन्न हुआ था? क्या उसका आंतरायिक बहरापन मनोवैज्ञानिक था – या कुछ और अधिक आध्यात्मिक? उसके चिकित्सक, जोसेफ ब्रेउर, आकर्षक और सुंदर युवा महिला के साथ मिलकर, उससे प्रतिदिन मिलने लगे। कभी–कभी पप्पेनहाइम ने परियों की कहानियाँ गढ़ीं, कभी–कभी उसने अपने मतिभ्रम के बारे में बात की। उन्होंने मिलकर उसके पिता के बीमार कमरे में उसके आघात के स्रोत का पता लगाया और दमित अवशेषों का पता लगाने के साथ, पप्पेनहेम में सुधार होना शुरू हो गया। इस आदान–प्रदान में रेचन था। पप्पेनहेम ने स्वयं इस प्रक्रिया का वर्णन किया, जिसे ष्बात करने वाला इलाजष के रूप में जाना जाता है, चिमनी स्वीपिंग के रूप में जाना जाता है। एक दशक से भी अधिक समय के बाद, सिगमंड फ्रायड ने पप्पेनहेम की कहानी को फ्राउलिन अन्ना ओ नाम से शामिल किया। – स्टडीज ऑन हिस्टीरिया में एक मामला। बाद में, फ्रायड ने मामले में काल्पनिक विवरण जोड़ा, जिसमें एक छद्म गर्भावस्था भी शामिल थी जो उनके स्थानांतरण के सिद्धांत को दर्शाती थी। अलंकरण एक तरफ, अन्ना ओ. – मनोचिकित्सा की सबसे प्रसिद्ध असुविधाजनक महिला – इतिहास के इतिहास में एक सफलता की कहानी के रूप में दर्ज हुई जिसने जन्म मनोविश्लेषण में मदद की। समस्या यह है, जैसा कि गेब्रियल ब्राउनस्टीन ने अपने आकर्षक द सीक्रेट माइंड ऑफ बर्था पप्पेनहाइम में लिखा है, यह सब झूठ था। पप्पेनहेम ठीक नहीं हुआ था। ब्रेउर द्वारा अपना केस छोड़ने और एक सैनिटेरियम में समाप्त होने के बाद भी वह लंबे समय तक पीड़ित रही, अनकही भयावहताओं का शिकार हुई, और उन दवाओं की आदी हो गई जो ब्रेउर ने उसे दी थी। उनकी असली जीत विश्लेषण छोड़ने के काफी समय बाद हुई। वह मध्य आयु में इस संकट से बाहर निकलीं, खुद को एक वकील और परोपकारी के रूप में फिर से स्थापित किया और फिर कभी ब्रेउर की देखरेख में अपने समय के बारे में बात नहीं की। उन्होंने यौन व्यापार से पीड़ित यहूदी लड़कियों की ओर से वकालत की और उन्हें घर देने और शिक्षित करने के लिए संस्थाएँ खोलीं। लेकिन द सीक्रेट माइंड ऑफ बर्था पप्पेनहेम सिर्फ एक महिला के बारे में नहीं है – पूरी तरह से नहीं। यह एक पौराणिक कथा के अंदर छुपी एक जांच–पड़ताल से जुड़ा एक संस्मरण है। और यह वास्तव में ज्ञान की सीमाओं के बारे में है न केवल पप्पेनहेम के बारे में हम जो जानते हैं, बल्कि विशेष रूप से चिकित्सा के बारे में और सामान्य रूप से गैर–काल्पनिकता के बारे में भी। उपयुक्त रूप से, पप्पेनहेम में ब्राउनस्टीन की रुचि उनके पिता, डॉ. शेल ब्राउनस्टीन, एक सम्मानित मनोचिकित्सक और मनोविश्लेषक, फ्रायड के प्रति लंबे समय से द्वेष के साथ शुरू हुई। अपनी मृत्यु से एक रात पहले, डॉ. ब्राउनस्टीन ने अपने बेटे को एक निबंध दिया जो उन्होंने पप्पेनहेम के बारे में लिखा था। और हमारे माता–पिता की इच्छाओं के साथ खुद पर बोझ डालने के बारे में फ्रायड की चेतावनियों के बावजूद, पिता का जुनून बेटे का जुनून बन गया। ब्राउनस्टीन ने जो किताब लिखी, उससे कहीं अधिक आसान किताब वह लिख सकते थे। मैंने उनकी तीसरी परत का भी उल्लेख नहीं किया है।

गहराते जल–संकट से जीवन और कृषि खतरे में

ललित

मानवीय गतिविधियों और क्रिया–कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव–जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल–संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगी करण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था – एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है. वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है। लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धारती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल–संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल–संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू–जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधानों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है।

धनंजय के लिए महाभारत के लाक्षागृह जैसा षडयंत्र रच रहे सत्ता से जुड़े लोग - श्रीकला सिंह

–कोर्ट से जमानत मिलने के बाद बिलबिला उठे विपक्षी खेमे के लोग –अब फिर षड्यंत्र रचने में जुट गए –मेरे लिए हर मतदता परछाईं बनकर खड़ा है साथ, नहीं चल पाएगा शकुनी और दुर्योधन का खेल।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह को फांसने के लिए विपक्षी लोग खासकर सत्ताधारी, महाभारत के दुर्योधन और शकुनी की तरह लाक्षागृह बनाने में जुटे हैंस मेरे पति धनंजय भी इस चुनावी महाभारत में अर्जुन की तरह खड़े हैं स मुझे बहू मानकर हर मतदाता योगेश्वर श्रीकृष्ण की तरह खड़ा हो गया है स यह बात बसपा प्रत्याशी श्रीकला ने सदर विधान सभा के गांवों, कस्बों और शहरी इलाके के मोहल्लों में भ्रमण के दौरान मंगलवार को कही।

श्रीकला धनंजय सिंह ने मंगलवार को गुरैनी, मझाऊरा, करंजा कला, सिद्दीक पुर, खेतासराय से धर्मापुर ब्लॉक के दो दर्जन गावों, कस्बों में भ्रमण किया, उनके पहुँचते ही उन इलाकों के लोगों की भीड़ काफिला में तब्दील नजर आती गई स खासकर युवा मतदाताओं और बुजुर्गों से वह सत्ता से जुड़े लोगों द्वारा अपने पति धनंजय को फिर किसी षड्यंत्र में फंसाने की दुहाई देती रहीं स इसके लिए उन्होंने हजारों साल पुराने महाग्रंथ महाभारत के दो पात्रों दुर्योधन और शकुनी द्वारा पांडवों को मारने के लिए रचे गए षड्यंत्र लाक्षा गृह का उदाहरण देती रहीं।

उन्होंने कहा की इस चुनावी महाभारत में दुर्योधन और शकुनी जैसे विपक्षियों से मुकाबले के लिए मुझे मैदान में उतरना पड़ गया, मुझे ताकत आम मतदाताओं से मिल रही है स मेरे पति धनंजय को पहले मुकदमे में फंसाया, उनके जेल जाते ही इन शकुनियों को राहत मिली की चलो इसको तो ऐसे चक्रव्यूह में फंसाया की वह निबट गया स लेकिन उच्च न्यायालय से बेल मिलने की खबर पहले उन्हें मिली तो बौखलाकर पूर्व सांसद को दूसरी जेल में शिफ्ट करा दिया।

अब धनंजय सिंह जमानत से बाहर आने वाले हैं लेकिन मुझे यह आशंका है कि विपक्षी अब लाक्षागृह जैसा जाल बना रहे होंगे , ऐसा इसलिए है क्योंकि इनके पास बेरोजगारी और महंगाई का कोई जवाब नहीं स पब्लिक पूछ रही और ये धनंजय को चुनाव से बाहर रखने में लगे हैं स

उन्होंने कहा कि मेरे मैदान मे आते ही इन्हें अपनी हार सताने लगी है स मुझे आम जनता से झूठे वायदे करने की जरूरत ही नहीं पड़ रही क्योंकि मैं और मेरे पति साल के 365 दिन आमजन के बीच होते हैं और लोगों की जरूरतें पूरी करते हैं स बसपा सुप्रीमो बहन मायावती की सोच को हम गाँव गाँव पहुंचा रहे हैं।

गोद लिए गए 110 टीबी रोगियों को पोषाहार वितरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक संस्था ठाकुरबारी महिला विकास कल्याण समिति के द्वारा गोद लिए गए टीबी मरीजों को अप्रैल माह का पोषाहार वितरण संस्था मुख्यालय गौरीशंकर मंदिर सिंगरामऊ में किया गया इस अवसर पर सिंगरामऊ अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की डॉक्टर श्रुति पांडे बदलापुर के एसटीएस तरुण कुमार ने टीबी मरीजों को नियमित रूप से दवा लेते रहने एवं कोर्स पूरा करने की सलाह दी संस्था द्वारा दिए गए पोषाहार को खाने से मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ होने की बात कहीं संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजु सिंह ने बताया कि जनवरी फरवरी 2024 में करीब 60 पेशेंट गोद लिए गए थे जिनको चौथी बार पोषाहार दिया गया है और मार्च महीने में के करीब 50 पेशेंट को भी अप्रैल माह में पहली बार पोषाहार वितरण किया गया वैसे तो संस्था अब तक हजारों पेशेंट को पोषाहार वितरित करदृ टीबी मुक्त होने में मदद कर रही है मगर पूर्ण रूप से टीबी मुक्त भारत होने के लिए अभी भी बहुत परिश्रम की जरूरत है कार्यक्रम में लालमणि मिश्रा सौम्या सिंह तनु सिंह किरण कंचन रुबीना आदि सहित संस्था के सभी स्टाफ एवं टीबी रोगी उपस्थित रहे।

ऑडी कार की झूठी चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये घटना में शामिल शातिर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सर्विलांसध्क्राइम टीम डीसीपी पूर्वी व थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बीमा क्लेम के पैसे को प्राप्त करने के उद्देश्य से आडी कार की झूठी चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये घटना में शामिल 01 शातिर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम व थाना विभूतिखण्ड की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 01 नफर अभियुक्त हिरासत पुलिस में लिया गया तथा उसके कब्जे से घटना में चोरी गयी आडी कार UP-32 HY-7711 बरामद किया गया। पकड़े गये अभियुक्त के सम्बन्ध में विधिक कार्यवाही की जा रही है। अपराध का संक्षिप्त विवरण बताते हुए डीसीपी ईस्ट प्रवल प्रताप सिंह ने कहा कि वादी मुकदमा अंकुर श्रीवास्तव पुत्र प्रमोद कुमार श्रीवास्तव निवासी 548/260–B विक्रम नगर थाना पारा लखनऊ द्वारा सूचना दिया गया कि दिनांक 27.04.2024 को समय 12.00 बजे अपनी आडी कार से अपने आफिस निर्माण निगम विभूतिखण्ड गोमतीनगर गये थे, जिसको रोड के किनारे खड़ी किये थे। सायं 4. 00 बजे वापस गाड़ी के पास आए थे तो गाड़ी खड़ी किये गये स्थान पर नहीं थी, जो किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गयी है जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 0153/2024 धारा 379 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। उक्त प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए उच्चाधिकारीगणो के निर्देशन में करीब 150 सीसीटीवी फुटेज की मदद से आज दिनांक 30.04.2024 को वादी अंकुर श्रीवास्तव को आडी

गाड़ी के साथ डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम व थाना विभूतिखण्ड की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मोहान रोड कट, सरोसा भरोसा गावं के पास समय 12.30 बजे दोपहर में मय चोरी गयी आडी गाड़ी के हिरासत में लेकर घटना का अनावरण किया गया। विवेचना क्रम में पूछताछ करने पर अंकुर श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि मेरी कार का एक्सीडेन्ट वर्ष 2019 में हो गया था मैं अपनी कार को बेचना चाहता था परन्तु एक्सीडेन्टल गाड़ी होने के कारण गाड़ी की कीमत 10 लाख से ज्यादा नहीं मिल पा रही थी जबकि गाड़ी की आडीवी वैल्यू वर्तमान समय में 40 लाख रुपया है। मैं अपने दोस्त हितेश निवासी पीरागढ़ी नई दिल्ली जिसका दिल्ली में अपना गाड़ियों का वर्कशाप है, गाड़ी के सम्बन्ध में यह योजना बनाई कि गाड़ी चोरी दिखाकर बीमा क्लेम प्राप्त कर लेगें एवं गाड़ी को भी कटवा देंगें। आज मैं दिल्ली लेकर गाड़ी जा रहा था कि पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। मेरी हितेश से जान पहचान एक्सीडेन्ट के बाद गाड़ी को बनवाते समय हुई थी। आडी कार की चोरी की घटना असत्य पायी जा रही है। उक्त घटना वादी मुकदमा द्वारा अपने दोस्त हितेश के साथ मिलकर बीमा क्लेम के पैसे को प्राप्त करने के उद्देश्य से योजना बनाकर एफआईआर दर्ज करायी गयी थी। मुकदमा उपरोक्त को धारा 379 भादवि से धारा 195/420/120–बी भादवि में तरमीम कर वादी व उसके मित्र हितेश के विरुद्ध धारा 195/420/120–बी भादवि के तहत विधिक कार्यवाही की जा रही है। पकड़ा गया अभियुक्त निर्माण निगम लिमिटेड विभूतिखण्ड में एडी 2 के पद पर कार्यरत है।

विनोबा जी के भूदान आंदोलन के सहयोगी ग्राम गीता के रचयिता

राष्ट्रसंत तुकडो जी महाराज जी की जयंती आज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भईया ने कहा कि भारत संतों व समाज सुधारकों की भूमि है। भारत ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। इन्ही संतों की परंपरा में आने वाले 'राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज का जन्म 30 अप्रैल, 1909' को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के यावली ग्राम में हुआ। उनका मूल नाम माणिक बंडोजी इंगळे था। बाल्यावस्था में अपने ननिहाल वरखेड में आडकोजी महाराज उन्हें श्तुकड्ड्याश नाम से बुलाया करते थे, अतः वही नाम जारी रहा। उन्होंने प्रारंभिक जीवन रामटेक, सालबर्डी, रामदिघी, गोंदोडा के जंगल में बिताया । उनकी आध्यात्मिक साधना महत्त्वपूर्ण रही। उनके भक्तिगीतों में नैतिक संदेश महत्त्वपूर्ण हुआ करता था। देश गुलाम रहे और तुकडोजी महाराज खामोश रहे, यह संभव नहीं था। वे भारतीय जनता में स्वतंत्रता की भावना निर्माण करने हेतु खँजडी नामक पारंपारिक वाद्ध्य लेकर गीत गाते रहे। भारत स्वतंत्र होने के बाद भारत–चीन युद्ध में भी उन्होंने भारतीय नागरिकों की अस्मिता जगाई। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर ग्रामगीताश की रचना करते हुए तत्कालीन परिस्थिति का चित्रण किया तथा उन्नति का मार्ग दिखाया। सन 1955 में जापान में आयोजित विश्व धर्म संसद, विश्व शांति संमेलन के लिए निमंत्रित करने पर उन्होंने खँजड़ी स्वर के साथ संमेलनों का उद्घाटन किया। हिंदी और मराठी भाषा में लगभग 3000 भजन, 2000 अभंगों की रचना करते हुए जनजागरण करने वाले तुकडोजी महाराज ने कई विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

उनके ग्रामोन्नति , स्त्री उन्नति, शिक्षा संबंधी विचार प्रेरक एवं महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने सर्वधर्म समभाव, ग्राम रक्षण, परोपकार, विश्वध्र्म, वृक्ष संवर्धन, गो–पालन, चरखा चलाने का संदेश दिया। व्यसन मुक्ति, नशा बंदी, अस्पृश्यता निवारण हेतु जागृति निर्माण की।

मानवता पंथ मेरा,
इंसानियत है पक्ष मेरा ।
सबकी भलाई धर्म मेरा,
दुविधा को हटाना कर्म मेरा

कहते हुए अपना जीवन परोपकार के लिए बिताने वाले 'तुकडोजी महाराज के कार्य देखते हुए भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें राष्ट्रसंत उपाधि से सम्मानित किया। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का देहावसान 11 अक्तूबर, 1968 को हुआ। जयंती के अवसर पर उनका स्मरण कराते हुए विनोबा विचार प्रवाह अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज जी के आश्रम में किशोरी जागरण का कार्य करने वाली कविता येनूर्कर और कई मित्र हम लोगों से जुड़े हैं। जयंती के अवसर पर पुनःच विनम्र अभिवादन।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु नामांकन के दूसरे दिन समाज विकास क्रान्ति पार्टी के प्रत्याशी के द्वारा किया गया नामांकन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के लिए समाज विकास क्रान्ति पार्टी के प्रत्याशी अशोक सिंह के द्वारा 73–जौनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हेतु 01 सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया गया। 73–जौनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हेतु एआईएमआईएम के प्रत्याशी मो0 नौशाद ने 01 सेट में, मौलिक अधिकार पार्टी के प्रत्याशी फूलचन्द्र बिन्द के द्वारा 02 सेट में, निर्दल प्रत्याशी चन्द्रमणि सी पाण्डेय ने 01 सेट में, समाज विकास क्रान्ति पार्टी के प्रत्याशी अशोक सिंह के द्वारा 02 सेट में, राष्ट्रीय साम्यवादी पार्टी के प्रत्याशी गोविन्द लाल पटेल के द्वारा 02 सेट में, भारतीय समता समाजपार्टी के प्रत्याशी के प्रत्याशी संजीव कुमार प्रजापति के द्वारा 01 सेट में, सुहेलदेव पार्टी के प्रत्याशी राकेश कुमार सिंह के द्वारा 01 सेट में, निर्दल प्रत्याशी कृपाशंकर सी पाण्डेय के द्वारा 01 सेट, सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर आफ इन्डिया कम्युनिस्ट के प्रत्याशी राम प्यारे ने 01 सेट में, निर्दल प्रत्याशी अमित कुमार सिंह ने 01 सेट में, निर्दल प्रत्याशी हरिशचन्द्र शुक्ला ने 01 सेट में, निर्दल प्रत्याशी शिवम कुमार ने 01 सेट में पर्चा खरीदा। 74–मछलीशहर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हेतु निर्दल प्रत्याशी रंगबहादुर ने 02 सेट में, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी प्रिया सरोज ने 01 सेट में,

बहुजन मुक्ति पार्टी से नवनीत ने 01 सेट में पर्चा पर्चा खरीदा।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद के लिए नामित व्यय प्रेक्षक 73–जौनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र श्री मुण्डे राजेश बालाजी राव शाहगंज और सरपतहा में एवं मा० प्रेक्षक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 74–मछलीशहर श्री कृष्ण कुमार पी ने मछलीशहर में एफएसटी के कार्यों की जाँच की।

इस दौरान
उन्होंने टीमों के अभिलेखों की जाँच की। व्यय प्रेक्षक नें चुनाव कार्य में लगे निगरानी दलों को तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिया। उन्होंने एफएसटी और एसएसटी को निर्देशित किया कि निर्वाचन के दौरान समस्त थानों द्वारा चेकिंग बैरियर, एसओपी के अनुसार चेकिंग करेंगे। उड़नदस्ता टीम में गठित टीमों प्रभारी रिजर्व, स्थायी निगरानी के लिए चेकिंग बैरियर के सन्दर्भ में भी जानकारी ली।

शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी जीवन का अहम हिस्सा है - हाजी मो नफीस इदरीसी

शाहजहांपुर में रोजगार परक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये सामाजिक संस्था अंजुमन इदरीसिया की कोर कमेटी ने इंस्टीट्यूट निर्माण का फैसला लिया।

निगोही रोड पर ग्राम रसूलापुर में इस काम के लिये जमीन संस्था से जनपद शाहजहांपुर में एक इंस्टीट्यूट के निर्माण करने के लिये जरूरी जमीन खरीदने की संस्तुति करी।

इस से मुतालिक तंजीम के जिम्मेदारों ने निगोही रोड पर ग्राम रसूलापुर स्थित जमीन का साइट सर्वे भी किया

के जिम्मेदारों ने साइट सर्वे किया।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

शाहजहांपुर। सामाजिक संस्था अन्जुमन इदरीरिसिया जो परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की याद में 1971 में कायम हुई थी ने अब अपनी स्थापना का गोल्डन जुबली पीरियड पूर्ण कर लिया है, संस्था द्वारा सामाजिक और शैक्षिक उत्थान के काम विगत 53 वर्षों से लगातार अंजाम दिये जाते हैं।

संस्था के विजन 2025 कार्यक्रम के पहले बिंदु पर षमिशन इकराष यानि शिक्षा को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है। इस एजेंडे पर काफी वक्त से संस्था के बैनर तले एक शैक्षिक संस्थान के निर्माण हेतु कार्ययोजना पर काम चल रहा है।

गुजिश्ता 18 मच 2023 को संस्था के बैनर तले राजधानी दिल्ली में आयोजित परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित शैक्षिक कॉन्फ्रेंस में ये प्रस्ताव पास हुआ था।

उसी सिलसिले में में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी की अध्यक्षता में संस्था के ट्रस्टीज और कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक जनपद शाहजहांपुर में जनाब सलीमुद्दीन इदरीसी के मोहल्ला बारादरी स्थित आवास पर हुई, इस बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने आम राय दिल्ली से आइये संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी ने मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के उत्थान के लिये सिर्फ शिक्षित होना ही अनिवार्य नही है बल्कि शिक्षा के साथ अपनी तहजीब (संस्कार) को कायम रखना भी जरूरी है।

इस मौके पर लखनऊ से आये संस्था के ट्रस्टी डॉ इमरान अहमद इदरीसी ने कहा कि बुनियादी शिक्षा के साथ रोजगार परक शिक्षा वक्त की जरूरत है, इसके लिए वोकेशनल कोर्सेज को शुरू करने की जरूरत है जिससे बच्चों को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद फील्ड में रोजगार मिलने की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी मो इकरार कहा कि तरक्की का कोई शार्ट कट नही होता है, उसके लिये नेक नियत से लगातार मेहनत की जरूरत होती है।

संस्था के जॉइंट कोषाध्यक्ष हाजी मो इसरार इदरीसी और हाजी मो सगीर इदरीसी ने शाहजहांपुर में तालीमी इदारा कायम किये जाने के फैसले का स्वागत किया।

दिल्ली से मीटिंग में शामिल होने आये अन्जुमन इदरीसिया दिल्ली प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी और पत्रकार कमर अहमद इदरीसी ने कहा कि इस तरह का इंस्टीट्यूट के निर्माण से हमारी आने वाली पीढ़ी को इसका फायदा मिलेगा उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी द्वारा उनको संस्था का राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बनाये जाने के ऐलान पर धन्यवाद ज्ञापित किया। मीटिंग में प्रयागराज (इलाहाबाद) से आये संस्था के उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष हाजी नफीस अनवर इदरीसी ने कहा कि ये एक बड़ा प्रोजेक्ट है इसके लिये शाहजहांपुर जिले में जो जमीन का चयन किया जा रहा है उसको अमली जामा पहनाने के लिये शाहजहांपुर समेत हर जिले की पूरी टीमों को बहुत मेहनत करनी होगी। संस्था की केंद्रीय कार्यकारिणी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी, शाहजहांपुर को जो ये जिम्मेदारी दी जा रही है वो यहां की टीम और बड़ी तादाद में यहां रहने वाले बिरादरी की तादाद , लंबे वक्त से यहां के लोगों का संस्था के साथ जुड़ाव भी इसकी वजह है।

इस प्रोजेक्ट के लिये जरूरी जमीन हासिल करने के लिये स्थानीय स्तर पर संस्था के ट्रस्टी हाजी हफीजुद्दीन इदरीसी, हाजी जलालुद्दीन इदरीसी और मो नकी इदरीसी को आगे की करवाई पूरी करने की जिम्मेदारी दी गई न

इस मौके पर नवजवान साथी मो सलमान इदरीसी ने इस नेक काम के लिये 51 हजार रुपये तंजीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी नफीस साहब को दिए

मीटिंग को राष्ट्रीय प्रवक्ता अख्तर हुसैन इदरीसी, डॉ इमरान अहमद, कमर अहमद, इं हाजी मोइजुद्दीन इदरीसी , आबाद अली , सलीमुद्दीन इदरीसी, हाजी मो सगीर, हाजी मो इसरार, नफीस अनवर, ताहिर अली, हाजी हफीजुद्दीन, मो नकी, नौशाद हुसैन, हाजी जलालुद्दीन इदरीसी वगैरा ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर इं अहमद मुबीन इदरीसी ने आये हुए सभी मेहमानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज संस्था के लिये ऐतिहासिक दिन है और शाहजहांपुर के लोगों से अपील करी कि अपने बुजुर्गों के ख्वाबो की ताबीर की जो जिम्मेदारी आपको मिली है उसको हम सबको मिलकर पूरा करना है।

मीटिंग का संचालन संस्था के जिला अध्यक्ष जनाब महबूब हुसैन इदरीसी ने किया , उन्होंने संस्था की कोर कमेटी को भरोसा दिलाया कि इस प्रोजेक्ट को कामयाब बनाने के लिये वो और उनकी टीम हर मुमकिन मेहनत करेगी।

देवीपाटन मुक्तिमोर्चा से अरुणिमा ने किया नामांकन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा से पूर्व घोषित प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय ने मंगलवार को प्रस्तावक व समर्थकों के साथ गोण्डा लोकसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया। श्री मती पाण्डेय कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से बुधवार को पूर्वान्ह में नामांकन पत्र दाखिल करेगी।

नामांकन के उपरांत रिटर्निंग अफीसर ने श्रीमती पाण्डेय ने आदर्श चुनाव संहिता का निष्ठा पूर्वक पालन का शपथ दिलाया।

श्रीमती पाण्डेय ने नामांकन के उपरांत कचेहरी परिसर में उपस्थित समर्थकों अधिवक्ताओं से वार्ता करते हुए कहा कि आजादी के बाद कमजोर नेतृत्व के कारण देवीपाटन मंडल का समुचित विकास नही हुआ और कृषि सहित रोजी रोजगार के व्यवस्था न होने के कारण युवाओं को दर दर भटकना पड रहा है। अरुणिमा पाण्डेय ने संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि वह बच्चों के लिए समुचित शिक्षा युवाओं के पलायन रोकने के लिए रोजगार क्षेत्र में लघु उद्योगों की स्थापना सभी को चिकित्सा महिलाओं का सम्मान सुरक्षा व शहर में सीवर लाइन की स्थापना कराने के लिए चुनाव में उतरी हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें लोकसभा क्षेत्र में आम नागरिकों व युवाओं का भरपूर सहयोग मिल रहा है।उन्होंने बताया कि वह लोकसभा कैसरगंज क्षेत्र से बुधवार को पूर्वान्ह साढे 11 बजे नामांकन पत्र दाखिल करेंगी।

नामांकन के समय प्रत्याशी प्रतिनिधि राजकुमार पाण्डेय,प्रेम कुमार पाण्डेय, देवनाथ मिश्र , केदार नाथ मिश्र, राघवेन्द्र प्रताप, अखिलेश्वर पाठक, अरुण पाण्डेय नवदीप पाण्डेय पंकज मिश्र, शैलेन्द्र आदर्श, शिवकुमार , कुसुम मिश्रा अंजली मिश्रा प्रभावती अंकिता आदि मौजूद रहे।

हमारी दिल्ली यात्रा की बड़ी दूसरी उपलब्धि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भईया ने कहा कि सामाजिक जीवन में रहकर सुना था कि मैगससे पुरुस्कार में बड़ी धनराशि मिलती है जो हमारे अनेक मित्रों को मिला है। लेकिन हिंदुस्तान में मिलने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कारों में बड़ी सम्मान धनराशि भी मिलती है। इसी श्रंखला का एक विशेष पुरुस्कार है भारत की धरती से जुड़ा यशराज भारती सम्मान 'सामाजिक सरोकारों के लिए परिचित नोबल पीस प्राइज विजेता डा कैलाश सत्यार्थी जी' से बहुत ही सुंदर भेंट। अवसर था वर्ष 2021 में मुंबई ,अहमदाबाद के समान मना समूह द्वारा स्थापित संस्था 'यशराज रिसर्च फाउंडेशन' द्वारा दिल्ली में भारत

मंडपम में आयोजित भव्य कार्यक्रम । निमंत्रण के सूत्रधार तो जयेश भाई ही रहे क्योंकि वह भी उस समूह के अंग हैं। यह कार्यक्रम गत वर्ष एन सी पी ए मुंबई में दिनांक 08 अप्रैल 2023 को आभार समारोह के रूप में आयोजित हुआ था। जिसमें हम सबकी परिचित संस्था सर्च गढ़चिरौली महाराष्ट्र, प्रदान संस्था और कुछ मित्रों को सम्मानित किया गया था।

'सम्मान का उद्देश्य' महात्मा गांधी जी के सिद्धांतों को दृष्टिगत रखकर निस्वार्थ सेवा,और कल्याण से जुड़े साथियों ,संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों के प्रभावों का मूल्यांकन करते हुए तीन श्रेणियों में सम्मानित किया जाता है। 1,'इनोवेशन इन हेल्थ केयर' 2 'ट्रांसफार्मिंग पीपल्स लाइव्स थ्रू एजुकेशन,लाइवलीहुड, न्यूट्रीशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट' 3 'इथिकल गवर्नेंस' यशराज भारती सम्मान 2024 क्रमश 1;'हेल्थ इनोवेटर्स इन हेल्थ (इंडिया)' 2 'टीच फार इंडिया' 3 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' को दिनांक 27 अप्रैल 2024 की शाम को 'श्री कैलाश सत्यार्थी जी '(जिन्होंने वर्ष 1980 में बचपन बचाओ आंदोलन संस्था की स्थापना कर बच्चों के पुनर्वास का काम शुरू किया। (इस आंदोलन में चींटी की भूमिका अदा करने का अवसर श्री रमा कांत राय जी के सौजन्य से विनोबा सेवा आश्रम को भी प्राप्त हुआ था) 'श्री कैलाश सत्यार्थी को वर्ष 2014 में सर्वोच्च पुरुस्कार नोबल शांति पुरुस्कार पाकिस्तान की एक्टिविस्ट मलाला यूसुफजई (स्त्री शिक्षा) के साथ संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ था') कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के कर कमलों से सम्मानित एवं बहुत ही सुंदर संबोधन दिया गया। सम्मानित हस्तियों को 'सम्मान मेडल,सम्मान साईटेशन और सम्मान निधि एक करोड़ एक लाख मात्र प्रदान की गई।'

इन सबको सूत्र में पिरोने वाले आदरणीय अरविंद भाई को नमन। सभी का स्वागत करने वाली दीपाली बहन को प्रणाम और सभी का आभार व्यक्त करने वाले आदरणीय दिनेश जैन जी को रामहरि। हरिजन सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा शंकर कुमार सान्याल, खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के पूर्व अध्यक्ष श्री लक्ष्मी दास, सर्वोदय आश्रम हरदोई की अध्यक्ष उर्मिला बहन राष्ट्रीय युवा योजना के राष्ट्रीय प्रमुख श्री संजय राय,सुघड़ आश्रम के किशन लड्ढा, सम्मानित अमिताभऋ रश्मि बहन, दिल्ली विश्विद्यालय की प्रोफेसर डा भारती देवी (साथ में खुशबू बहन) और डा दिनेश कुमार, लॉ कालेज के दिनेश मीना, अमन जी, आदरणीय दिलीप भाई और बबीता बहन, आदि सब कार्यक्रम में थे। गांधी जी का प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए, जुबिश संस्था के परिवार द्वारा और भरत नाट्यम नृत्य भी प्रस्तुत किया गया।सुंदर भोज के साथ पूर्ण हुआ भव्य कार्यक्रम।

विकास खण्ड बावन में चुनाव पाठ शाला कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) आज विकास खण्ड बावन के ग्राम पंचायत बन्नई के जू०हा० के बूथ संख्या 351, ग्रा0पं० बेहटागोकुल के बूथ संख्या 48, 49 तथा ग्राम पंचायत गूलामऊ में चुनाव पाठशाला का आयोजन डा० राम प्रकाश खण्ड विकास अधिकारी बावन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, तथा मतदाता शपथ दिलायी गयी, तथा मतदाता रैली निकाली गयी। चुनाव पाठशाला में उपस्थित मतदाताओं को मतदान प्रतिशत बढ़ाये विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गयी, तथा उपस्थित मतदाताओं द्वारा प्रातः सपरिवार वोट डाले जाने का आश्वासन दिया गया, ग्रामवासी/ मतदाताओं द्वारा अवगत कराया गया कि वह शत–प्रतिशत वोट हेतु जागरूक कर रहें है। उपस्थित बी०एल०ओ० अध्यापक व बच्चों को अपने अभिभावकों को सपरिवार अधिक से अधिक मतदान करने हेतु प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रा०वि० बेहटाधीरा के बूथ संख्या 53, 54, जू०हा0 बेहटागोकुल के बूथ संख्या 48, 49 का निरीक्षण किया गया जिसमें आवश्यक सफाई के निर्देश दिये गये। ग्राम पंचायत बन्नई में मतदाता जागरूकता के अन्तर्गत मोटर साईकिल व कार के स्टीकर लोगों को वितरित किये गये। सचिवों को प्रत्येक दूसरे दिन शौचालयों तथा स्कूल के परिसर की साफ–सफाई के निर्देश दिये गये। उक्त के अतिरिक्त रोस्टर के अनुसार बूथ संख्या 200 मिरिकापुर में 200, 201, रामपुर छैया के बूथ संख्या 214, 215 प्रा०वि० जिलगांत के बूथ संख्या 206, प्रा०पा० रामापुर रहोलिया के बूथ संख्या 65, पा० पा० गदाईपुर के बूथ संख्या 36, प्रा०वि० ऐजा के बूथ संख्या 33, 34, 35 में मतदाता शपथ दिलायी गयी, तथा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को शत–प्रतिशत मतदान हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ० राम प्रकाश, खण्ड विकास अधिकारी बावन, राममूर्ति वर्मा, सुश्री दिव्या सिंह, सचिव, के साथ प्राधानाध्यापक व अन्य शिक्षक/ शिक्षिकाऐं /बी०एल०ओ० एवं ग्राम वासी उपस्थित रहें। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्वाचन से सम्बन्धित रचित पंक्तियां भी सबको सुनायी गयीं। हमको है निज देश पे गौरव, हमको है खुद पे अभिमान, अपनी ताकत को पहचान, चलो करें हम सब मतदान।

अयोध्या राम नगरी के लिए हवाई यात्रा की बुकिंग हुई सस्ती

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार

अयोध्या। गर्मी की छुट्टी में रामनगरी वासियों के लिए हवाई यात्रा भी बेहद आसान और किफायती होने वाली है।सभी विमान कंपनियों ने यहां से उड़ान भरने वाली हर फ्लाइट की बुकिंग सस्ती कर दी है।यही नहीं दिल्ली,मुंबई, अहमदाबाद,हैदराबाद,चेन्नई और कोलकाता से आने वाले विमानों का किराया भी कम किया गया है।इसके चलते उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों का आवागमन बढ़ सकता है। आमतौर पर अयोध्या से मुंबई की फ्लाइट करीब 8000 रुपये में बुक होती है,लेकिन सात मई से इसी का फ्लाइट का किराया 5235 रुपये कर दिया गया है और ये ऑफर एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ–साथ इंडिगो व स्पाइसजेट में भी मिल रहा है।वहीं मुंबई से रामनगरी वाली फ्लाइट 5698 रुपये में बुक हो रही है। इसी तरह दिल्ली से अयोध्या की फ्लाइट आठ मई को 3300 रुपये में और अयोध्या से दिल्ली वाली चार मई को 3220 रुपये में बुक हो रही है। 13 मई को हैदराबाद की बुकिंग 5465 रुपये में,कोलकाता और चेन्नई के लिए 5999 रुपये में फ्लाइट बुकिंग चल रही है।

'परशुराम जयंती पर होगा दीपोत्सव व हवन पूजन व भंडारा'

अयोध्या डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार। अयोध्याधाम भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव महापर्व 10 मई 2024 को घर–घर भगवान महा विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का पूजन और दीपोत्सव पर जगह–जगह हवन पूजन भंडारे का आयोजन होगा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप राम त्रिपाठी ने बताया की अखिल भारतीय चाणक्य परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जनपद बलरामपुर में धूमधाम से मनाया जाएगा जन्मोत्सव अधिक से अधिक संख्या में संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से पहुंचने का आवाह्न किया है कार्यक्रम स्थल श्री यदुनंदन मिश्र जिला अध्यक्ष बलरामपुर के निज आवास बहादुरपुर निकट जिला धिकारी आवास पर बलरामपुर गोंडा रोड समय 4:00 बजे आयोजित है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप राम त्रिपाठी ने कहा की अखिल भारतीय चाणक्य परिषद का मुख्य उद्देश्य विलुप्त हो रहे भारतीय तथा स्थानीय संस्कृति को सुरक्षित रखना है। ब्राह्मण ,समाज का गुरु है जो कि सबको ज्ञान देता है समाज का सुधार तभी संभव है जब स्वयं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन हो। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय संरक्षक रामानुज तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश पांडेय काशीनाथ तिवारी जयप्रकाश तिवारी क्षीरेश्वर दत्त मिश्र डॉक्टर जय गुरुदेव शुक्ल राधा रमण त्रिपाठी सत्यदेव मिश्र तथा समस्त अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के पदाधिकारी कार्यकर्ता गण शामिल रहेंगे।

साहिब श्री गुरु अरजन देव जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शहीदों के सरताज, सुखमनी साहिब जी जैसी मीठी और निर्मल बाणी के रचयिता, प्रेम भक्ति की मूरत, सहनशीलता एवं त्याग के प्रतीक, निमरता की शाखशात सरुप तथा बाणी के बोहिथ, प्रतख हरि, शान्ती के पुंज सिखों के पांचवें गुरु साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) दिनांक 30–04–2024 को ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी नाका हिन्डोला, लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

शाम का दीवान 6.30 बजे रहिरास साहिब के पाठ से दीवान आरम्भ हुआ जो 9.30 बजे तक चला। जिसमें हजूरी रागी भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मध्ुरवाणी में ष्गुरु अरजन सच सिरजन हारा।।ष् शबद कीर्तन गायन एवं नाम करवाया।

ज्ञानी गुरमीत सिंह जी गुरुद्वारा अहियागंज वालों ने साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप का जन्म आज ही के दिन गोइंदवाल साहिब अमृतसर में हुआ था। आपके पिता का नाम श्री गुरु रामदास जी और माता जी का नाम बीबी भानी जी था। गुरु जी का ज्यादातर बचपन गोइंदवाल साहिब में बीता। बचपन से ही आपने गुरु मर्यादा सीखी जिसका फल यह हुआ कि गुरु बनने से पहले आपने ईश्वर से प्रार्थना की कि ''हे करतार'' ऐसी बुद्धि बख्शो जिससे संतों, साधुओं की सेवा करें और उनके चरणों का आसरा लेकर जीवन सफल करें। प्रभु सिमरन और माता पिता की सेवा को देखकर आपके पिता जी ने आप में सभी गुण देखकर आपको गुरु गद्दी सौंप दी। आपने सेवा आरम्भ कर एक सरोवर बनवाया जिसका नाम श्री अमृतसर रखा। सरोवर के बीचो बीच में श्री हरिमंदिर साहिब की स्थापना की, जिसकी नींव प्रसिद्ध फकीर मीयां मीर से रखवायी। श्री हरिमंदिर साहिब के निर्माण के बाद आपने श्री गुरु ग्रन्थ साहिब के सम्पादन का कार्य आरम्भ कर दिया सभी गुरूओं और भक्तों की बाणियों को संकलन करके एक ग्रन्थ तैयार करने की सेवा आपने भाई गुरुदास जी को सौंपी। रामसर सरोवर के किनारे बैठकर भाई गुरुदास जी ने यह सेवा निभाई जिसका मूल तत्व परमपिता परमेश्वर की अराधना करना, जाति–पाति एवं अन्ध विश्वासों का खण्डन करना और लोगों में आपसी भाई चारे की भावना पैदा कर परमेश्वर से जोड़ना है। उन्होंने 1604 को पहली बार श्री गुरु ग्रन्थ साहिब को श्री हरमन्दिर साहिब श्री अमृतसर में स्थापित किया जिसके पहले ग्रन्थी बाबा बुड्ढ़ा जी बने। श्री गुरू अरजन देव जी ने 30 रागों में 2312 शबद लिखे जो श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में दर्ज है जिसमें श्री सुखमनी साहिब प्रमुख हैं। विशेष रूप से पधारे रागी जत्था भाई सुखप्रीत सिंह जी लखनऊ वालों ने अपनी मधुर वाणी में शबदः– जपउ जिन अरजन देव गुरु फिर संकट जोनि गरभ न आयउ।।शबद कीर्तन गायन कर समूह संगत को निहाल किया ।

कार्यक्रम संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया।

दीवान की समाप्ति के उपरान्त ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री

गुरू नानक देव जी नाका हिंडोला के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिह बग्गा जी ने समूह संगत को साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज के प्रकाश पर्व की बधाई दी उसके दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा गुरु का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

नोटः– सिक्खों के पाँचवे गुरू साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज के शहीदों दिवस को समर्पित श्री सुखमनी साहिब के पाठों की आरम्भता दिनांक–01 मई 2024 दिन बुधवार को माता गुजरी सत्संग सभा की सदस्याओं एवं संगत द्वारा ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी नाका हिंडोला लखनऊ में होगी जो प्रातरू 5:00 बजे से 7रू00 बजे तक 40 दिनों तक चलेगा जिसका समापन 10 जून 2024 को साहिब श्री गुरू अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस के दिन होगा।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ में संपन्न हुई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ ,राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्य समिति के पदाधिकारियों , सदस्यों तथा जनपद शाखा के प्रतिनिधियों एवं संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी की अध्यक्षता में संयुक्त परिषद के कार्यालय 504 जिया मऊ लखनऊ में संपन्न हुई।

बैठकमें लिए गए निर्णयों का हवाला देते हुए संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि बैठक अत्यंत ही महत्वपूर्ण थी। उपस्थित सभी पदाधिकारी ने राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियानको लोकसभा चुनाव तक जारी रखने का निर्णय लिया । कर्मचारी मुस्तैदी के साथ चुनाव संपन्न कराने में अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं ।

जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि 1 मार्च 2024 को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की 20 मांगों पर अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक की अध्यक्षता में वार्ता हुई थी। वार्ता का कार्यवृत्त कार्मिक अनुभागऋ4 द्वारा जारी कर दिया गया है। निर्गत किए गए कार्यवृत्त के अनुसार 90: से अधिक मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं। संयुक्त परिषद की महामंत्री अरूणा शुक्ला ने अवगत कराया है कि रिक्त पदों को भरा जाना शासन की प्राथमिकता है। नियुक्ति पत्रों का वितरण भी किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा एनपीएस योजना के अंतर्गत संशोधित प्रावधानों को उत्तर प्रदेश में लागू किए जाने की मॉनिटरिंग स्वयं मुख्य सचिव कर रहे हैं। कर्मचारियों की पदोन्नति के संदर्भ में लगातार कार्यवाही हो रही है खाद्य एवं रसद विभाग के बाद व्यावसायिक शिक्षा विभाग में रिक्त पदों पर पदोन्नति की जा चुकी है। कैशलेस इलाज में राज्य कर्मचारियों को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को भेजे गए हैं । मुख्य सचिव समिति विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों पर लगातार बैठक कर रही है। खाद्य रसद विभाग में मैचिंग सेविंग के आधार पर संवर्ग पुनर्गठन करने की कार्यवाही प्रचलन में है ।आउटसोर्स कर्मचारियों का न्यूनतम मानदेय निर्धारित करने के संबंध में श्रम विभाग ने नीति तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रस्तुतीकरण के बाद नीति लागू कर दी जाएगी। समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग के संविदा शिक्षकों में समानता रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं ।ज्ञातव्य है की जनजाति विकास के संविदा शिक्षकों को संविदा राशि में संशोधन का लाभ दिसंबर 2023 से दिया गया है जबकि समाज कल्याण विभाग मे सितंबर 2023 से दिया गया है। इस विषमता को दूर करने का निर्णय लिया गया है। संविदा शिक्षकों की प्रतिवर्ष नवीनीकरण में छात्रों द्वारा 60: अंक लाने की बाध्यता को अव्यवहारिक माना गया है तथा समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग को व्यावहारिकता के आधार पर निर्णय लेने, असमंजस की स्थिति को स्पष्ट करने को कहा गया हैं। सहायक चकबंदी अधिकारी के पदों को राजपत्रित घोषित करने के लिए विभाग को निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों के मेरिट आधारित स्थानांतरण नीति में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों को वेटेज देने के के लिए नीति निर्धारण के संबंध में भी विचार हो रहा है। आउटसोर्स कर्मचारी के स्थानांतरण के संबंध में श्रम विभाग को प्रस्तावित सुधारो में सम्मिलित करने को कहा गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण जी दुबे ने कहा कहां है कि आउटसोर्स कर्मचारियों के सेवा संरक्षण एवं वेतन संरक्षण, आशा बहू को न्यूनतम 18000 का मानदेय, कर्मचारी संवर्गों की वेतन विसंगतियों पर मुख्य सचिव समिति के माध्यम से निर्णय कराए जाने के संबंध में शासन को 30 जून तक का समय दिया गया है। 30 जून के बाद संयुक्त परिषद के पदाधिकारी मंडल स्तर पर सम्मेलन करके आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार करेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो अगस्त में आंदोलन का निर्णय भी लिया जा सकता है ।आज की बैठकमें संयुक्त परिषद के उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया, शेष नारायण मिश्रा, श्री निरंजन कुमार श्रीवास्तव ,हेमंत पाठक , ओमप्रकाश पांडे, अर्पणा अवस्थी, राजेश निराला, इंद्रजीत सिंह, सहदेव सचान, वीरेंद्र वीर यादव, ओमप्रकाश गौड़ ,रामकृष्ण दुबे, कुसुमलता यादव सहित दर्जनों पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरूक

अयोध्या। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महात्वाकांक्षी योजनाओ में शामिल मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस महिलाओं को सुरक्षा व साइबर अपराध से बचाव हेतु जागरुक कर रही है। सोमवार को जिले के अधिकतर थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस ने इस अभियान के तहत पार्को व सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओंध्बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उनको विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में बताया।इस मौके पर पुलिस कर्मियों ने अनावश्यक रूप से पार्कों/स्कूलों के आस पास घूम रहे कम उम्र के लड़कों से पूछताछ कर हिदायत दिया गया। अभियान के तहत वहां पर मौजूद महिलाओं व लड़कियों को किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090,यूपी 112, ऑपरेशन कवच 181,महिला हेल्पलाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,1098 चाइल्ड लाइन,साइबर अपराध (1930) के बारे में बताया है।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा पत्रिका का विमोचन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ में साइबर क्राइम मुख्यालय उ०प्र० द्वारा प्रकाशित साइबर सुरक्षा मार्गदर्शिका, साइबर सुरक्षा पैम्फलेट व साइबर अपराध विवेचना –हस्तपुस्तिका का पुलिस महा निदेशक साइबर अपराध एवं अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना की उपस्थिति में विमोचन किया गया।

साइबर अपराध के प्रति जागरूकत्ता ही बचाव है

साइबर अपराधों के क्षेत्र में लगातार परिवर्तित हो रही तकनीक एंव अपराध करने के तरीके के सम्बन्ध में आम जनमानस को जागरूक करने हेतु साइबर क्राइम मुख्यलय उ०प्र० द्वारा ष्साइबर सुरक्षा मार्गदर्शिका व साइबर सुरक्षा पैम्फलेट के माध्यम से साइबर अपराध के प्रकार, बचाव के उपाय और सुरक्षित आन लाइन रहने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी है। साइबर अपराध विवेचना–हस्तपुस्तिका के माध्यम से साइबर अपराधों के अनुसंधान की दिशा में पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को मार्ग दर्शन देने का प्रयास किया गया है। उक्त हस्तपुस्तिका साइबर अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने एवं अन्वेषण करने में काफी मददगार साबित होगी तथा पुलिस कार्मिकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

गृहणी के साथ–साथ समाज में महिलाएं निभा रही अपनी महत्वपूर्ण भूमिका – डा. सुप्रिया

अयोध्या। कृषि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।वे एक गृहिणी के दायित्व को निभाती ही है।इसके साथ ही साथ समाज के विकास में भी अपना अहम् भूमिका निभाती है।यह बातें आचार्य नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज की कृषि अर्थशास्त्र की सह प्राध्यापक डॉ सुप्रिया ने ओंकार सेवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि की रुप में कहा।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में महिलाएं पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। बताते चलें कि ओंकार सेवा संस्थान द्वारा अमानीगंज विकास खंड के श्रीमती सियाराजी एन सी टी ओ पी टी इंटर कालेज मोहली में नब्बे महिलाओं को केला रेशा पर विभिन्न विषयों पर अलग अलग प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।उसी के तहत आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर सुप्रिया ने कहा कि घर की पूरी अर्थव्यवस्था के केंद्र में महिला ही होती है वह घर का चूल्हा चौका

तो करती ही है उसके साथ ही वह खेती में कटाई के उपरांत अनाजों के प्रसंस्करण और भंडारण की पूरी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करती है।

कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने बताया कि नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कमलेश यादव के मार्गदर्शन में संचालित यह अनोखा प्रशिक्षण महिलाओं को प्रदान किया जा रहा है। अयोध्या में आने वाले लाखो की संख्या में श्रद्धालु जिन्हे पूजा आसनी के साथ साथ गमछा,पूजा की डलियां,प्रसाद की टोकरी,शुद्ध और पवित्र केले के रेशे से बनी प्राप्त होगी।उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालु अयोध्या आ रहे है ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी होती है कि हम अपने आने वाले अतिथियों का स्वागत करें।प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शोध छात्र प्रतीक कुमार ,अंकित कुमार ,मन्नासवानी,दीप चांद निषाद,शिवानी शुक्ला ,रीना ,अलका सिंह ,संगीता ,राज कुमारी ,शीला देवी सहित प्रशिक्षित महिलाएं उपस्थित रहीं ।

पंपलेट, लाउडस्पीकर, हैंडबिल की जगह सोशल मीडिया व मोबाइल हुआ काबिज

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोई भी चुनाव हो उसका प्रचार प्रसार सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक हो रहा है। चाहे वह लोकसभा,विधानसभा,जिला पंचायत, ग्राम पंचायत चुनाव हो या फिर उप चुनाव।सभी चुनाव में सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है।परिणाम स्वरूप इन चुनावों मे शामिल होने वाले प्रत्याशी कब नामांकन किया,कब मतदान पड़ा और कब इनमें से एक प्रत्याशी के सिर पर जीत का सेहरा बंधा पता ही नहीं चला।चुनाव के दौरान चुनाव के बारे में अगर कुछ चर्चा होती है तो वह सिर्फ चाय पानी के दुकानो पर। बताते चलें कि पहले व अब के चुनाव में काफी अंतर आ गया है।पहले चुनाव की घोषणा के मुताबिक तयशुदा तिथि तक लाउडस्पीकर के माध्यम से फिल्मी गानों की तर्ज पर प्रत्याशी अपना व पार्टी का प्रचार प्रसार करवाते थे।उस समय महेन्द्रा डीआई जीप, ट्रैक्टर साइकिल, रिक्शों से गांव गांव–शहर शहर के गली कूचों में लाउडस्पीकर के माध्यम से चुनाव में लड़ने वाले प्रत्याशी अपना प्रचार प्रसार करते थे।जो सुबह से शुरु होकर देर शाम तक चलता रहता था।जिसकी आवाज सुनकर छोटे–छोटे बच्चे दौड़ते हुए दिखाई देते नजर आते थे और प्रचार प्रसार करने वाले कार्यकर्ता लोगो को अपने अपने पार्टियों का सीने पर लगाने वाला बिल्ला,गमछा, टोपी या फिर अन्य सामान देते थे।वही महिलाओं से अपने पक्ष में मतदान करने के लिये साड़ी आदि भी चुपके चुपके देते थे। आज की तरह पहले कार एसयूवी वाहन आदि नही रहती थी। जिसके चलते प्रत्याशी व उस के मंत्री तथा स्टार प्रचारक खुद जीप से जाकर आयोजित जनसभा को संबोधित करते थे।उस समय चुनाव में लाउडस्पीकर के माध्यम से तेज ध्वनि में पार्टी व चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का प्रचार प्रसार होता था।चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को जिताने के लिए उनके कार्यकर्ता गांव–गांव शहर–शहर के गलियों में जाकर लाउडस्पीकर ,बैनर,हैंड बिल, पोस्टर,पंपलेट,सीने पर लगाने वाले बिल्लो के प्रचार प्रसार करते थे।चुनाव का प्रचार प्रसार का जरिया उस समय नौटंकी आदि भी हुआ करता था। जो मंच के जरिए समर्थित पार्टियों के पक्ष में संगीत आदि गाकर अपने पक्ष में मतदान करने के लिये अपील करते थे।परंतु अब सोशल मीडिया व मोबाइल के आगे अब यह सब लगभग समाप्त हो चुका है। मोबाइल व सोशल मीडिया के जरिए चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी व उनके कार्यकर्ता मतदाताओ से अपने पक्ष में मतदान करने का अपील कर रहे हैं।परिणाम स्वरुप पहले जैसा और अब दोनों में कोई भी चुनावी माहौल में काफी अंतर दिखाई दे रहा है।पहले चुनाव के दौरान हो हल्ला काफी दिनों पहले से शुरु हो जाता था अब मोबाइल व सोशल मीडिया के चलते कब चुनाव आया,कब प्रचार प्रसार हुआ,कब मतदान हुआ और कौन विजई हुआ बिना शोरगुल के सम्पन्न हो जा रहा है।

खो–खो में सेंट जोसेफ का दमदार धुआंधार प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीआईसीएसई यूपी/यूके द्वारा आयोजित स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 'जिसमें अण्डर–19 बालक व बालिका जोन–बी खो–खो

में सेंट जोसेफ की राजाजीपुरम् शाखा के बालक व बातिकाओं दोनों ने दोहरी स्वर्णिम सफलता हासिल की और जोन–बी के चौम्पियन बने।'

लखनऊ पब्लिक स्कूल वृन्दावन योजना में खेले गये फाइनल मैच में सेंट जोसेफ की अदिति सिंह और कुसुम के बेहतरीन खेल की बदौलत लोरेटो कॉन्वेंट की बालिकाओं को एक पारी व सात अंकों से बुरी तरह हरा कर खिताब अपने नाम किया। वही अण्डर–19 बालक वर्ग में शुभजीत के बेहतरीन खेल प्रदर्शन से फाइनल में ग्रीन फील्ड्स स्कूल को एक पारी व आठ अंकों से भारी पराजय देखनी पड़ी। 'वही रुचि खंड स्थित सेंट जोसेफ कॉलेज, ने लखनऊ पब्लिक स्कूल और ग्रीन फील्ड को हरा खो–खो अंडर–17 रीजनल में अपनी जगह बनाई।' सेंट जोसेफ कॉलेज, रूचि खंड अंडर – 17 खो – खो टीम के धुरंधरों ने सोमवार 29 अप्रैल को 'लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज को एक पारी और 17 अंक से हराकर सेमी फाइनल में अपना स्थान बनाया और मंगलवार 30 अप्रैल को फाइनल में ग्रीनफील्ड को एक पारी 06 अंक से हराकर नया कीर्तिमान रचा।' अमन यादव तथा अविरल सिंह के बेहतरीन प्रदर्शन ने विरोधी टीम के पसीने छुड़ा दिए और दमदार पारी खेलकर सेंट जोसेफ को सोना दिलवाया। सेंट जोसेफ की शानदार एवं धुआंधार सफलता पर सेंट जोसेफ समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल ने टीम व कोच को अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रदान की वही प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने इस सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी।

कविता बहन येनूरकर के परिवार में दुर्घटना से एक साथ तीन मौत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भईया ने अत्यंत दुरूखद समाचार बताते हुए कहा कि 'कविता बहन येनूरकर के परिवार में दुर्घटना से एक साथ तीन मौत' कविता बहन के चाचा श्री पुनीरामजी येनुरकर और मेरी बहन सुचीता दांडेकर उसकी लडकी खुशी दांडेकर (जिसने हाई स्कूल की परीक्षा दी थी) कल नागपूर से जाम के लिए बाइक से निकले थे हालांकि आगे कुछ दूर पर दोनो को उनके गंतव्य स्थल के लिए बस पर बिठालना था। किंतु उससे पहले ही आते हुये ट्रक की जोरदार टक्कर से बुटीबोरी हायवे पर तीनो की दुर्घटना में मृत्यू हो गयी। नंदिनी परिवार से जुड़ी कविता बहन के परिवार पर बहुत

बडा आघात हुआ है। उनको यह सूचना शिविर में मिली उन्हें पहले चाचा की अंत्येष्टि और बाद में बहन के गांव में शामिल होने जाना पड़ा। भगवान उन सभी की आत्मा को शांति दे और उनके परिवार को दुःख से बाहर निकलने की शक्ति दे। विनोबा विचार प्रवाह परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।